RNI NO. : MAHHIN/2019/77511 मुंबई : सोमवार 25 सितंबर 2023 वर्ष 05 अंक 152 संपादक : फैसल शेख पृष्ठ : 4 कीमत : 03 रुपये

दैनिक
रोकठोक लेखनी
खबरें बे-रोकटोक

Read E Newspaper at Paper Boy App, Magzter App, Jio News App, Paytm App, Dailyhunt App

क्या बाढ़ पीड़ित इलाके के दौरे पर फडणवीस ने शख्स को दिया धक्का?

कांग्रेस का आरोप, भाजपा का पलटवार...

महाराष्ट्र उपमुख्यमंत्री देवेन्द्र फडणवीस के नागपुर बाढ़ प्रभावित क्षेत्र के दौरे को लेकर विपक्ष ने हमला बोला है। कांग्रेस ने देवेंद्र फडणवीस पर गंभीर आरोप लगाते हुए कहा कि बाढ़ प्रभावित क्षेत्र के दौरे के दौरान उपमुख्यमंत्री ने एक व्यक्ति को धक्का दिया। महाराष्ट्र कांग्रेस और शिवसेना(यूबीटी) ने एक्स के जरिए उपमुख्यमंत्री फडणवीस पर हमला बोला है। रविवार को एक्स के जरिए फडणवीस के बाढ़ प्रभावित क्षेत्र के दौरे का वीडियो साझा किया गया।

जिसके जरिए उन पर आरोप लगाया कि उन्होंने स्थानीय निवासी को धक्का दिया था। कांग्रेस ने कहा, यह सत्ता का अहंकार है।

क्या है वीडियो क्लिप में खास?

वीडियो क्लिप में कुछ महिलाएं फडणवीस के साथ आए पुलिस और सुरक्षाकर्मियों के साथ बहस करती हुई दिख रही हैं। जाहिर तौर पर उनसे उनके घरों का दौरा करने की मांग कर रही हैं। इसी बीच महिलाओं के साथ दिख रहे एक शख्स को फडणवीस ने अपनी ओर खींचा और उससे बातचीत करने लगे। एनसीपी के राष्ट्रीय प्रवक्ता क्लाइड क्रैस्टो ने एक्स पर आरोप लगाया और वीडियो को अपने पोस्ट में टैग किया। वीडियो पर प्रतिक्रिया देते हुए, महाराष्ट्र बीजेपी ने कहा कि विपक्ष के बयान भ्रामक और राजनीति से प्रेरित हैं।

बीजेपी ने एक्स के जरिए पोस्ट पर दी प्रतिक्रिया

बीजेपी द्वारा किए गए पोस्ट के मुताबिक, नागपुर में बाढ़ प्रभावित क्षेत्र में फडणवीस की यात्रा के दौरान कई स्थानीय लोग चाहते थे कि वह उनके घरों का दौरा करें। हालांकि, सभी घरों का दौरा करना संभव नहीं है। इस बीच, एक निवासी इस बात पर अड़ा था कि फडणवीस उसके घर का दौरा करें। जैसा कि पुलिस ने कहा उस व्यक्ति को रोक रहे थे। फडणवीस ने उसका हाथ पकड़ लिया और उसे यह बताने के लिए पास लाए कि वह उनके घर चल रहे हैं। बीजेपी ने कहा, इसमें कोई बुराई नहीं है, लोग चाहते हैं कि स्थानीय विधायक फडणवीस उनके घर आएं क्योंकि नागपुर में हर कोई उन्हें पसंद करता है।

बीजेपी ने व्यक्ति के घर के दौरे का वीडियो किया पोस्ट

भाजपा ने पूर्व मुख्यमंत्री उद्धव ठाकरे पर परोक्ष रूप से निशाना साधते हुए कहा, यह घृणित है और बेशर्मी की पराकाष्ठा है कि ऐसी घटनाओं का उन लोगों द्वारा राजनीतिकरण किया जाता है, जो कभी भी लोगों से नहीं मिलते है। शनिवार को बारिश से संबंधित घटनाओं में 53 वर्षीय महिला सहित चार लोगों की मौत हो गई थी। जबकि 400 से अधिक लोगों को सुरक्षित जगहों पर स्थानांतरित किया गया था।

मुस्लिम आरक्षण के लिए मुंबई में पहली बैठक,

शिंदे-फडणवीस की भूमिका पर सबकी निगाहें...

मुंबईः 'आजादी के बाद से अब तक हर पिछड़े और अन्य समाज में विकास देखने को मिला है। लेकिन मुस्लिम समाज उतना ही विकसित था जितना आजादी के दौर में था। आर्थिक एवं सामाजिक क्षेत्र में तो यह और भी पिछड़ा हुआ है। देश के विकास की गति बढ़ाने के लिए मुस्लिम समुदाय के लिए शैक्षणिक आरक्षण जरूरी है। इस मुस्लिम आरक्षण के लिए 21 अक्टूबर को पहला मुस्लिम सम्मेलन आयोजित किया जा रहा है. भविष्य में यह सम्मेलन अकोला, धुले, मालेगांव, कोल्हापुर और राज्य के अन्य हिस्सों में आयोजित किया जाएगा,'मौलाना आजाद विखा मंच के अध्यक्ष और पूर्व सांसद हुसैन दलवई ने एक संवाददाता सम्मेलन में यह जानकारी दी.

शनिवार (23 सितंबर) को गांधी भवन में आयोजित प्रेस कॉन्फ्रेंस में हुसैन दलवई के साथ मुस्लिम रिजर्वेशन फ्रंट के अजमल खान, सुभाष लोमटे, अनवर राजन, अब्दुल शकूर सालार और अन्य गणमान्य

लोग मौजूद थे. तत्कालीन मुख्यमंत्री पृथ्वीराज चव्हाण के कार्यकाल में मराठा समुदाय को 16 फीसदी और मुस्लिम समुदाय को 5 फीसदी आरक्षण देने की घोषणा की गई थी. आरक्षण का मामला कोर्ट में चला गया. कोर्ट ने शिक्षा में मुस्लिम समुदाय के लिए आरक्षण का समर्थन किया. अभी तक कोई आरक्षण नहीं मिला. प्रदेश भर में आरक्षण के लिए विचार-विमर्श तैयार किया जाए. मुस्लिम समाज को सत्याग्रह या आंदोलन कर आरक्षण दिलाना चाहिए. उनकी जनसंख्या के अनुपात में उनके विकास के लिए बजट में प्रावधान होना चाहिए। उन्होंने यह भी बताया कि इसके लिए राज्य भर में मुस्लिम सम्मेलन का आयोजन किया जाएगा.

'छत्रपति शिवाजी महाराज हमारे राजा हैं':

पश्चिमी महाराष्ट्र में सतारा, कोल्हापुर और सांगली में अल्पसंख्यकों पर हमले के मामले सामने आए हैं. पूर्व सांसद दलवई ने इसमें पुलिस की भूमिका पर सवालिया निशान उठाया है. उन्होंने मुस्लिम समुदाय के युवाओं को संदेश देते हुए कहा, 'हमारे राजा छत्रपति शिवाजी महाराज हैं. इससे सावधान रहें.'

जनसंख्या के अनुसार आरक्षण दें:

मुस्लिम आरक्षण मोर्चा के अजमल खान ने घोषणा की कि वह मौलाना आजाद विचार मंच के आरक्षण कार्य के साथ हैं। अब मुस्लिम समुदाय को जनसंख्या के आधार पर आरक्षण मिलना चाहिए।' क्या मुख्यमंत्री और दूसरे उपमुख्यमंत्री तैयार हैं? उपमुख्यमंत्री अजित पवार ने मुस्लिम समुदाय को शिक्षा में आरक्षण देने पर चर्चा करने का वादा किया. दलवई ने कहा, 'इससे पहले अजित पवार महाविकास अघाड़ी में उपमुख्यमंत्री थे. अब बीजेपी और शिंदे सत्ता में हैं. क्या बीजेपी के मुख्यमंत्री और उपमुख्यमंत्री उनकी घोषणा का स्वागत करने के लिए तैयार हैं?' अजित पवार के अमित शाह से अच्छे रिश्ते हैं. उन्होंने यह भी सुझाव दिया कि मुस्लिम आरक्षण के फैसले को लेकर अमित शाह की सहमति ली जानी चाहिए.

फर्जी दस्तावेज से राशन कार्ड बनाकर बांग्लादेशी नागरिकों को करते थे सप्लाई, एटीएस ने किया गिरफ्तार

महाराष्ट्र : महाराष्ट्र एटीएस को बांग्लादेशी नागरिकों को फर्जी दस्तावेज के आधार पर राशन कार्ड मुहैया कराने वालों के खिलाफ बड़ी कामयाबी हाथ लगी है. एटीएस ने ठाणे के भिवंडी इलाके से तीन लोगों को गिरफ्तार किया है जो पैसा लेकर राशन कार्ड उपलब्ध करा रहे थे. इस संबंध में ठाणे में केस भी दर्ज किया गया है. मिली जानकारी के मुताबिक आरोपी राशन कार्ड बनाने के लिए प्रत्येक व्यक्ति से 8,000 रुपये लेते थे. इस मामले में ठाणे के निजामपुरा पुलिस थाने में केस दर्ज किया गया है. महाराष्ट्र एटीएस का कहना है कि मामले की आगे जांच चल रही है और स्थानीय पुलिस द्वारा कार्रवाई की जा रही है. वहीं, गिरफ्तार किए गए शख्स की पहचान इरफान अली अंसारी, संजय बोध और नौशद राय अहमद शेख के रूप में हुई है. ये पैसा कमाने के लिए बांग्लादेशी नागरिकों को राशन कार्ड बनाकर दे रहे थे.

यहां यह बताना जरूरी है कि महाराष्ट्र एटीएस ने मुंबई और नवी मुंबई इलाके में जुलाई महीने छापेमारी की थी. इस छापेमारी के दौरान उन्होंने

अवैध रूप से रह रहे बांग्लादेशी नागरिकों को गिरफ्तार किया था. इस दौरान 9 बांग्लादेशी नागरिक एटीएस की पकड़ में आए थे. सबसे महत्वपूर्ण बात यह है कि इनमें से दो रेप मामले में वांछित चल रहे थे. दोनों के खिलाफ नेरुल थाने में केस दर्ज कराया गया था.

अभियान चलाया कर एटीएस ने की थी गिरफ्तारी

एटीएस ने बिना वैध दस्तावेज के भारत में रहे बांग्लादेशी नागरिकों के खिलाफ सप्ताह भर अभियान चलाया था जिस वक्त ये गिरफ्तारियां हुई थीं. इनमें से नेरुल से एक बांग्लादेशी महिला को भी गिरफ्त में लिया गया था जिसके खिलाफ 2009 में एक केस दर्ज किया गया था. इनके अलावा बायकुला से चार और मध्य मुंबई से दो बांग्लादेशी नागरिकों को पकड़ा गया था.

संपादकीय / लेख

फैसल शेख
(प्रधान संपादक)

श्रेय लूटने की लड़ाई

नए संसद भवन में कामकाज की इससे बेहतर शुरूआत और क्या हो सकती थी कि दोनों सदनों ने भारी बहुमत से उस ऐतिहासिक महिला आरक्षण बिल को पारित कर दिया, जो पिछले 27 वर्षों से अटका पड़ा था। हालांकि भारतीय लोकतंत्र की खासियत कहिए कि आजादी के तीन दशक भी नहीं हुए थे जब देश को पहली महिला प्रधानमंत्री मिल गई थीं। अमेरिका को भले ही पहली महिला राष्ट्रपति अब तक न मिली हो, भारत इस मामले में भी रेकॉर्ड बना चुका है। चुनावी राजनीति में भागीदारी का जहां तक सवाल है तो बतौर नागरिक और वोटर देश की आम महिलाओं ने उस मोर्चे पर भी बेहतरीन प्रदर्शन किया है। 2019 लोकसभा चुनावों में महिला मतदाताओं की संख्या पुरुषों से ज्यादा दर्ज की गई। मगर जहां तक चुनाव लड़कर लोकसभा और विधानसभाओं में पहुंचने का मामला है, तो वहां महिलाओं का प्रतिशत चिंताजनक रूप से कम रहा है। आज जब लोकसभा में महिला सांसदों की संख्या अब तक के सबसे ऊंचे स्तर पर है, तब भी यह कुल सदस्य संख्या के 15 फीसदी से कम ही है। अच्छी बात यह रही कि हमारे राजनीतिक नेतृत्व ने इस स्थिति से उपजी चुनौतियों को महसूस करते हुए इस दिशा में प्रयास काफी पहले से शुरू कर दिए थे।

अस्सी के दशक में जब राजीव गांधी सरकार पंचायती चुनावों में महिलाओं को एक तिहाई आरक्षण का विधेयक लेकर आई तो इसके पीछे भी सोच यही थी कि स्थानीय स्तर पर तैयार महिला नेतृत्व आगे चलकर विधानसभाओं और लोकसभा चुनावों में समर्थ महिला प्रत्याशियों की कमी दूर करेगा। फिर नब्बे के दशक के मध्य में बाकायदा लोकसभा और विधानसभाओं में महिला आरक्षण वाला बिल पेश कर दिया गया। उसके बाद बार-बार के प्रयास भी अगर इस विधेयक को कानून में तब्दील करने के लिहाज से नाकाफी साबित हुए तो उसके पीछे तमाम दलों के अंदर पुरुष सोच के वर्चस्व की भूमिका थी। बहरहाल, नए संसद भवन में जिस तरह से पक्ष-विपक्ष के तमाम दल इस बिल के पक्ष में खड़े दिखे, वह पिछले तीन दशकों में समाज में आए बदलावों और राजनीतिक दलों के अंदर आए उन बदलावों के एहसास का परिचायक है। हालांकि इसका मतलब यह नहीं कि पक्ष-विपक्ष इस मसले पर आगामी चुनावों में भिड़े नजर नहीं आएंगे। संसद में बहस के दौरान ही बड़ी बारीकी से तमाम दलों ने अपने अलग-अलग तर्कों की रेखाएं खींच दी हैं। जहां बीजेपी यह ऐतिहासिक बिल पारित कराने का श्रेय लेते हुए चुनाव मैदान में उतरने की सोच रही है, वहीं विपक्षी दलों का ध्यान इस पर अमल 2029 तक टालने वाले प्रावधानों पर है। कांग्रेस ने ओबीसी महिलाओं के लिए आरक्षण की मांग तो की ही है, जाति जनगणना का सवाल भी इससे जोड़ दिया है। जाहिर है, तमाम दलों ने मिलकर भले ही यह बिल पास कर दिया हो, लेकिन इस पर राजनीतिक लाभ लेने की कोशिश आगामी चुनावों में खूब दिखेगी।

व्हाट्सएप पर दैनिक रोकठोक लेखनी समाचार पत्र चैनल को फॉलो करें
+91 99877 75650
editor@rokthoklekhaninews.com
Faisal Shaikh @faisalshaikh_91

अडानी से फिर मिले शरद पवार, भाजपा ने कसा ये तंज!

मुंबई : राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी के प्रमुख शरद पवार ने 23 को अहमदाबाद में गौतम अडानी से मुलाकात की। वे दोनों अहमदाबाद में भारत के पहले लैक्टोफेरिन प्लांट के उद्घाटन के अवसर पर उपस्थित थे। रिपोर्टों के अनुसार, बाद में, पवार ने अहमदाबाद में अडानी के आवास और कार्यालय में भी गए। पवार ने ट्विटर पर पोस्ट किया, '' गौतम अडानी के साथ गुजरात क वासना, चाचरवाड़ी में भारत के पहले लैक्टोफेरिन प्लांट एक्सिमपॉवर उद्घाटन करना सौभाग्य की बाते

भाजपा ने साधा निशाना

कार्यक्रम की तस्वीरें को साझा करते हुए, भाजपा के राष्ट्रीय प्रव शहजाद पूनावाला ने कहा कि तस्वीर हजारों शब्द कहती है, लेकिन के ा तब जब राहुल गांधी उन्हें सुनने के इच्छुक हों। पूनावाला ने कहा, भार... कोई भी राहुल गांधी को गंभीरता से नहीं लेता। पूनावाला ने ट्वीट वि ''मैं बस उम्मीद करता हूं कि शरद पवार से अलका लांबा जैसे लोग फिर दुर्व्यवहार नहीं करेंगे, क्योंकि भारतीय गठबंधन में कोई भी राहुल गांधी उनके बयानों को गंभीरता से नहीं लेता है। यह तस्वीर हजारों शब्द बो है, बशर्ते राहुल गांधी सुनने को तैयार हों।''

पहले में भी सामने आ चुकी हैं नजदीकियां यह पहली बार नहीं है कि शरद पवार की अडानी से नजदीकियां सामने आई हैं। इस साल की शुरूआत में एक साक्षात्कार में, शरद पवार ने अडानी समूह के खिलाफ आरोपों की जांच के लिए संयुक्त संसदीय समिति की विपक्ष की मांग का विरोध किया था और कहा था कि वे इ बजाय सुप्रीम कोर्ट की निगरानी वाली समिति का समर्थन करेंगे। पहले में भी सामने आ चुकी हैं नजदीकियां यह पहली बार नहीं है कि शरद पवार की अडानी से नजदीकियां सामने आई हैं। इस साल की शुरूआत में एक साक्षात्कार में, शरद पवार ने अडानी समूह के खिलाफ आरोपों की जांच के लिए संयुक्त संसदीय समिति की विपक्ष की मांग का विरोध किया था और कहा था कि वे इ बजाय सुप्रीम कोर्ट की निगरानी वाली समिति का समर्थन करेंगे।

राहुल गांधी हैं अडानी विरोधी

यह बैठक राहुल गांधी के अडानी पर लगातार हमले के बीच हुई है और ऐसे समय में जब विपक्षी गुट इंडिया 2024 के चुनावों में भाजपा के खिलाफ एकजुट लड़ाई की तैयारी कर रहा है। शरद पवार इंडिया गुट के एक प्रमुख नेता हैं और वे मुंबई में गठबंधन की आखिरी बैठक के मेजबान थे।

भिवंडी ग्रामीण में स्वच्छता दौड़ के तहत जन जागरूकता

मुस्तकीम खान

भिवंडी : केंद्र एवं राज्य सरकार द्वारा कचरा मुक्त भारत के लिए 15 सितंबर से 2 अक्टूबर तक ग्रामीण स्तर पर 'स्वच्छता रन' का आयोजन किया गया है। इसी तरह स्वच्छ भारत (ग्रामीण) चरण 2 के अनुसार ठाणे जिला परिषद के अधिकार क्षेत्र के तहत भिवंडी पंचायत समिति के माध्यम से। भिवंडी ग्रामीण में समूह विकास अधिकारी प्रदीप घोरपड़े के मार्गदर्शन में 'स्वच्छ गांव, सुंदर गांव' की अवधारणा के अनुसार रविवार की दोपहर के.एन.टावरे विद्यालय में स्थानिक नागरिकों के साथ छात्र-छात्राओं के लिए जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया गया। भिवंडी तालुका के जुनांदुर्खी गांव के के.एन. टावरे विद्यालय में समूह ग्राम पंचायत जूनांदुरखी - टेंभवली के अंतर्गत आने वाले गांवों को कचरा मुक्त करने के लिए कार्यक्रम आयोजित किया गया।कार्यक्रम की शुरूआत भिवंडी पंचायत समिति के ग्राम विस्तार अधिकारी सुधाकर सोनवणे ने संत गाडगे बाबा की प्रतिमा पर पुष्पांजलि अर्पित कर और दीप जलाकर किया गया और गांव की स्वच्छता के लिए विशेष शपथ ली गयी । इस बीच ग्राम विस्तार अधिकारियों ने उपस्थित लोगों को सीवेज और ठोस अपशिष्ट के बारे में जागरूक किया और बीमारियों से बचाव के लिए स्वच्छता के महत्व से अवगत कराया।इसके बाद छात्र-छात्राओं समेत सभी ने स्कूल से स्वच्छता दौड़ रैली निकाली और क्षेत्र के नागरिकों को स्वच्छता के प्रति जागरूक करते हुए कूड़ा निस्तारण का संदेश दिया। इस अवसर पर ठाणे जिल्हा परिषद समाजशास्त्रज्ञ दत्तात्रेय सोळंके, ग्रामसेवक नारायण जाधव, सरपंच वसंत पाटील, उपसरपंच कल्पना घरत, के. एन.टावरे विद्यालय के मुख्याध्यापक संजय कारभारी, ग्रामपंचायत सदस्य मनिषा पाटील,यशोदा मढवी,दत्ता शिकारी,माजी सरपंच प्रेमनाथ भगत और स्थानीय निवासियों सहित छात्र उपस्थित थे ।

ठाणे शहर को दहला दिया ज्यूपिटर हॉस्पिटल रॉक्स सिटी के पास लगातार दो दुर्घटनाएं

मुंबई : रविवार तड़के दो अलग-अलग सड़क दुर्घटनाओं ने ठाणे शहर को दहला दिया। ये दुर्घटनाएं विवियाना मॉल के पास ईस्टर्न एक्सप्रेस हाईवे पर ज्यूपिटर हॉस्पिटल के सामने डिवाइडर पर हुईं। पहली दुर्घटना में एक दोपहिया वाहन शामिल था, जो रात करीब 12:45 बजे डिवाइडर से टकरा गया। सवार को सिर में चोट लगी, जबकि पीछे बैठे व्यक्ति को मामूली चोटें आईं। राहगीरों ने दोनों को ज्यूपिटर अस्पताल पहुंचाया, लेकिन वे अपनी चोटों का इलाज कराने के तुरंत बाद चले गए। कोई पुलिस दर्ज नहीं कराई गई. वर्तक नगर पुलिस स्टेशन के पीएसआई सुरेश लोटे के अनुसार, दोनों ने कहा कि वे एक अलग अस्पताल में इलाज कराना जारी रखेंगे।

दूसरी दुर्घटना में कैब-हेलिंग कंपनी का एक वाहन शामिल था। पहली दुर्घटना के कुछ ही घंटों बाद, तीन यात्रियों को ले जा रही कैब लगभग 3 बजे सुबह उसी डिवाइडर से टकरा गई। ड्राइवर मौके से भाग गया और तीनों यात्रियों को जुपिटर अस्पताल ले जाया गया, जहां उनका इलाज चल रहा है। दोनों हादसों में किसी भी घायल की पहचान नहीं हो पाई। जिस डिवाइडर पर दुर्घटनाएं हुईं, उसे इस महीने की शुरूआत में लगाया गया था। हालाँकि, कुछ ही घंटों के भीतर घटनास्थल पर एक के बाद एक दुर्घटनाओं ने संरचना को लेकर चिंताएँ बढ़ा दी हैं।

मुंबई एयरपोर्ट पर एक बैग में रखा गया बम, मौके पर मचा हड़कंप

मुंबई : मुंबई के छत्रपति शिवाजी महाराज इंटरनेशनल हवाई अड्डे पर बम होने की सूचना मिलने से हड़कंप मच गया। सूचना मिलते ही पुलिस ने हवाई अड्डे और उसके आसपास सुरक्षा बढ़ा दी। तलाशी के दौरान बम स्क्वाड को कुछ संदिग्ध नहीं मिला। पुलिस सूत्रों ने बताया कि शनिवार शाम 6 बजे टी2 के अधिकारियों को एक गुमनाम कॉल आई थी। पुलिस फोन करने वाले के बारे में अधिक जानकारी हासिल कर रही है। फर्जी कॉल की गई जिसमें कहा गया कि हवाई अड्डे पर एक नीले बैग में बम है। मुंबई पुलिस ने बताया कि एयरपोर्ट स्टाफ ने मुंबई पुलिस कंट्रोल रूम और एयरपोर्ट सिक्योरिटी मैनेजर को फोन पर इसकी जानकारी दी। सूचना मिलते ही मुंबई पुलिस अधिकारी और बम स्क्वाड टीम हवाई अड्डे पर पहुंची।

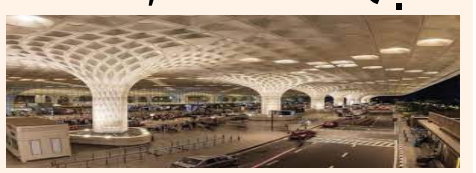

'मैडम सरपंच' : पंचायतों ने महाराष्ट्र की राजनीति में महिलाओं की छवि बदल दी

मुंबईः स्थानीय स्व-सरकारी निकायों में 33 प्रतिशत आरक्षण के साथ महिला सशक्तीकरण की शुरूआत के ठीक 30 साल बाद, जो बाद में 50 प्रतिशत तक बढ़ गया, निर्वाचित महिला प्रतिनिधियों (ईडब्ल्यूआर) ने न केवल एक लंबा सफर तय किया है - लेकिन राष्ट्र निर्माण में नीचे से एक महत्वपूर्ण कारक के रूप में अपनी स्थिति को मजबूत करने के लिए भी बहुत आगे बढ़ गए हैं। पिछले तीन दशकों में ईडब्ल्यूआर ने खुद को पारिवारिक और सामाजिक जंजीरों से मुक्त होते देखा है, खुद को धीरे-धीरे डरपोक, आंसू भरी आंखों वाली, भ्रमित या यहां तक कि पुरुषों द्वारा नियंत्रित कुछ 'गूंगी गुड़िया' से बदलकर अब मुखर, स्वतंत्र, सख्त और सक्षम बन गई हैं। अपने निर्णय स्वयं लेते हैं, और यदि आवश्यक हो, तो वास्तविक दुगाओं की तरह आदमी को 'नरक में जाने' के लिए चिल्लाते हैं!

वर्तमान में, महाराष्ट्र ग्रामीण विकास मंत्रालय के आंकड़ों के अनुसार, लगभग 28,000 ग्राम पंचायतें, 352 पंचायत समितियां (तालुका स्तर), 14,000 मैडम सरपंच (मैडम अध्यक्ष), 17 जिला परिषद (मुंबई को छोड़कर 35 जिलों में) और कुल 125,000 हैं। राज्य में ईडब्ल्यूआर (कुल 250,000 प्रतिनिधियों में से), नवी मुंबई के संसाधन और सहायता केंद्र के निदेशक और महिला राजसत्ता आंदोलन के सलाहकार भीम रस्कर ने कहा। कई क्षेत्रों में एक प्रमुख जमीनी स्तर की कार्यकर्ता, उल्का महाजन, संस्थापक, सर्वहारा जन आंदोलन (रायगढ़) ने कहा कि राज्य में कई आंदोलन हैं जिन्होंने महिलाओं को सशक्त बनाने, उनके ज्ञान को बढ़ाने, शासन के संपर्क में आने, उनकी क्षमताओं को उजागर करने और मुखर होने में मदद की है - जिसने महिलाओं को अधिक प्रभावी भूमिका निभाने में मदद करने में भूमिका निभाई है।

''हालांकि ईडब्ल्यूआर अब पहले के दिनों से बहुत अलग हैं, फिर भी उन्हें संघर्ष करना पड़ता है - स्थानीय नौकरशाही मानसिकता, राजनीतिक तत्वों, पारदर्शिता की कमी और उन चीजों से जो उनसे छिपाई जाती हैं... यह विशेष रूप से ईडब्ल्यूआर के लिए सच है जो हैं दलित, आदिवासी, ओबीसी, अल्पसंख्यक और उन्हें अभी भी

भेदभाव का सामना करना पड़ता है,'' महाजन ने अफसोस जताते हुए कहा, 'संघर्ष लंबे समय तक जारी रहेगा...'

लोक संघर्ष मोर्चा (जलगांव) की अध्यक्ष प्रतिभा शिंदे ने कहा कि तत्कालीन मुख्यमंत्री शरद पवार द्वारा बोए गए बीज फल दे गए हैं और ईडब्ल्यूआर के बीच विभिन्न श्रेणियों के लिए आरक्षण के कारण, ''महिला नेताओं का एक नया वर्ग उभरा है''। ''पहले, राजनीति में 99 प्रतिशत महिलाएँ पारंपरिक राजनीतिक कुलों से आती थीं, जिनमें से कई अपने पति या पत्नी या पिता की छत्रछाया में काम करती थीं, जो प्रॉक्सी द्वारा शासन करते थे। लेकिन अब महिलाएं स्वतंत्र, सामान्य परिवारों से चुनाव लड़ने और जीतने, आत्मविश्वास के साथ घरेलू मामलों और प्रशासन को संभालने के लिए साहसपूर्वक आगे आती हैं,'' शिंदे ने गर्व से कहा।

रास्कर ने बताया कि कैसे आरएससीडी, एमआरए के माध्यम से, महिलाओं को प्रशिक्षण देता है, क्षमता निर्माण करता है, महिला प्रतिनिधियों को संगठित करता है और आवश्यक नीतियों और समर्थन संरचनाओं को सुनिश्चित करने के लिए राज्य के साथ वकालत करता है। महाजन, शिंदे और रास्कर की तिकड़ी इस बात पर एकमत है कि ईडब्ल्यूआर के प्रवेश के साथ, स्थानीय शासन ''आकर्षक बड़े-बड़े'' के बजाय जल आपूर्ति, स्वच्छता, शिक्षा, बेहतर नागरिक बुनियादी ढांचे आदि जैसे नरम सामुदायिक मुद्दों के प्रति 'अधिक संवेदनशील' हो गया है। टिकट अनुबंध'' जिसके प्रति पुरुष लोग दीवाने हैं।

उन्होंने बताया कि पहले, महिलाओं को तिरस्कार की दृष्टि से देखा जाता था, विशेष सरपंच की कुर्सी से वंचित किया जाता था और उन्हें एक जटिल पद देने के लिए एक साधारण सीट पर बैठाया जाता था, महिलाओं के वंचित वर्गों को पंचायत की बैठकों से रोक दिया जाता था, उनके आदेशों/निदेशों को लागू नहीं किया जाता था। ठीक से या प्राथमिकता के आधार पर, और अधिक से अधिक, अधिकांश पंचायत कार्यालय स्थानीय रूप से प्रभावशाली राजनीतिक दल की शाखाओं की तरह काम करते थे। ''लेकिन यह सब ईडब्ल्यूआर के साथ-साथ प्राथमिकताओं में भी बदल गया है। अब, महिलाएं कतार में 'अंतिम आदमी' के कल्याण पर विचार करती हैं, एससी, एससी, ओबीसी, अल्पसंख्यक समूहों के प्रति सहानुभूति रखती हैं। अफसोस की बात है कि इस बेहद साहसी रवैये के लिए, ईडब्ल्यूआर और महिला सरपंचों का अभी भी उपहास किया जाता है और उन्हें पुरुषों और प्रतिद्वंद्वी महिलाओं दोनों द्वारा 'क्रूर चरित्र हनन' का सामना करना पड़ता है। यह रवैया बदलना चाहिए, ''रास्कर ने आग्रह किया।

शिंदे मुस्कुराए और एक हालिया उदाहरण को याद किया जब कुछ आगंतुक एक गांव में आए थे, और 'मैडम सरपंच' के पति स्वेच्छा से आगे आए और उन्हें चारों ओर दिखाने के लिए ताकि वह अपना घरेलू काम पूरा कर सके, ''लेकिन महिला ने अपना पैर नीचे कर लिया, और धमकी दी गई कि अगर पति ने पंचायत कार्यालय में प्रवेश करने की हिम्मत की तो वह नौकरी छोड़ देगा।'' रास्कर ने कहा कि महिलाओं पर बेहतर प्रभाव डालने के लिए, शासन में प्रशिक्षण के साथ आरक्षण भी होना चाहिए, उन्हें विरोधियों द्वारा बदनामी से बचाया जाना चाहिए, और लोकसभा और राज्य विधानसभाओं में आगामी 33 प्रतिशत कोटा के साथ, उनका मानना है कि ''अब समय आ गया है कि स्थानीय और उच्च प्रशासन ईडब्ल्यूआर को अधिक गंभीरता से लेता है।''

मुंबई के सबसे पुराने गणपति मंडल ने मनाया 131 साल का जश्न

मुंबईः दक्षिण मुंबई में गिरगांव की संकरी गलियों में स्थित शहर का सबसे पुराना गणपति मंडल सार्वजनिक गणेशोत्सव संस्थान है, जो इस साल त्योहार मनाने के 131 साल पूरे कर रहा है। राव बहादुर लिमये और गोडसे शास्त्री के नेतृत्व में 1893 में स्थापित संस्था खादिलकर रोड पर केशवजी नाइक चॉल में पारंपरिक तरीके से त्योहार मनाती रही है। सार्वजनिक गणेशोत्सव संस्था के सचिव कुमार वालेकर कहते हैं, ''लोकमान्य बाल गंगाधर तिलक के करीबी सहयोगी राव बहादुर लिमये और गोडसे शास्त्री ने लोगों को अंग्रेजों के खिलाफ एकजुट होने के लिए गणेश चतुर्थी के सार्वजनिक उत्सव का आ''ान करने के बाद यहां त्योहार मनाना शुरू कर दिया।'' उनका कहना है कि 10 दिवसीय उत्सव 1893 से उसी श्रद्धा के

साथ मनाया जा रहा है।

जब कोई उस चॉल में प्रवेश करता है, जहां शहर के मेगा उत्सव की विनम्र शुरूआत हुई थी, तो समय मानो ठहर सा जाता है। वालेकर कहते हैं, एक बात जो पंडाल को अलग बनाती है वह यह है कि पिछले 131 वर्षों से परंपराओं का पालन किया जा रहा है। संस्था ने शुरू से ही मिट्टी से बनी 2 फुट की मूर्ति के साथ उत्सव को सरल और पारंपरिक रखा है। ''निवासी त्योहार को एक परिवार के रूप में मनाते हैं और सभी सजावट उनके द्वारा डिजाइन और बनाई जाती हैं। केवल मंच और खंभे बाहर से लाए गए हैं,'' वालेकर गर्व से मुस्कुराते हुए कहते हैं। ''हम हर साल एक ही आकार की मूर्तियाँ लाते हैं। यहां ऐसे बच्चे हैं जो देखते हैं कि क्या हो रहा है, हो सकता है कि वे इसे अभी न समझें, लेकिन एक बार जब वे बड़े हो जाएंगे, तो उन्हें पता चल जाएगा कि सभी परंपराओं का पालन करते हुए क्या करना है, ''वह कहते हैं। चॉल के पूर्व निवासी संतोष राजवाड़े, इलाके से बाहर जाने के बावजूद 40 वर्षों से पंडाल का दौरा कर रहे हैं। ''मैं अब बोरीवली में स्थानांतरित हो गया हूं, लेकिन मैं यह सुनिश्चित करता हूं कि मैं हर साल यहां 'बप्पा' के दर्शन करूं। मुझे यहां के 'बप्पा' से बहुत लगाव है।' राजवाड़े कहते हैं, ''मैंने यहां जो कुछ भी सीखा है और गिरगांव ने मुझे जो कुछ भी दिया है, उसे मैं कभी नहीं भूल सकता।'' शहर के पहले और सबसे पुराने पंडाल के रूप में, केशवजी नाइक चॉल में शहर भर से और विदेशियों से भी बड़ी संख्या में पर्यटक आते हैं। राजनेता बालासाहेब ठाकरे, मुरली मनोहर जोशी और अमित शाह भी 'बप्पा' का आशीर्वाद लेने के लिए पंडाल में आ चुके हैं। यहां मूर्ति का पालकी में स्पीकर से तेज संगीत के बिना पारंपरिक स्वागत किया जाता है और गिरगांव चौपाटी पर 'विसर्जन' के लिए उसी तरीके से ले जाया जाता है।

चेंबूर में ईरशाला वाड़ी पहाड़ी में हुए भूस्खलन की दुर्घटना को लेकर बप्पा की विशेष झांकी

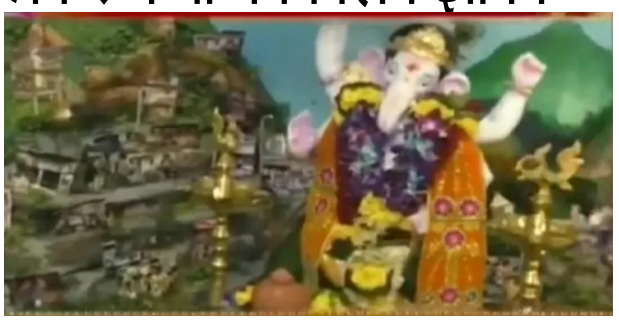

मुंबई, (फिरोज सिद्दीकी) मनसे विधानसभा अध्यक्ष माऊली थोरवे ने चेंबूर में गणपति पंडाल में नयें तरीके से झांकी बनाई है । जिसमें मुंबई सहित रायगढ़ ईरशाला वाड़ी पहाड़ी की चट्टानों से पूरा गावों का गावों स्वाहा हो गया । गौरतलब हो की गणेश पंडाल में भुस्खलन की दुर्घटनाओं को लेकर विशेष झांकी चित्र के माध्यमों लगाकर मुंबई में विभिन्न भूस्खलन में जान गवाने वाले बड़ी संख्या के नागरिकों कों सर्वप्रथम श्रद्धांजलि दिया । वहीं राज्य सरकार सहित प्रशासनिक विभाग को नींद से जगाने का कार्य किया है ।

दूसरी ओर पहाड़ियों पर रहने वाले नागरिकों को जीवन को दशार्या है ।चेंबूर इलाके में मनसे की यह गणपती पंडाल की यह झांकी चर्चा का केंद्र बन चुकी है ।

प्रसार माध्यमों से बातचीत करते मनसे नेता माऊली थोरवे ने कहा की ईरशाला वाड़ी सहित मुंबई के विभिन्न पहाड़ी इलाके में बसे घरों के दुर्घटना के जद में आ ये है । जिससे बड़ी संख्या में नागरिकों ने अपनी जान गंवाई है । राज्य की शिंदे सरकार भविष्य में ऐसी अनेक दुर्घटनाओं पर अंकुश लगाने के लिए अभी तक कौन से कारागार कड़े कदम उठाए है ,जिससे पहाड़ी भूस्खलन की पुनरावृत्ति को रोखा जा सके ।

नवी मुंबई शहर प्रथम महापौर संजीव नाईक के हाथों मोरबे धरणा बांध का जलपूजन संपन्न

नवी (फिरोज सिद्दीकी) मुंबई शहराला को शुद्ध पेय जल उपलब्ध करने वाली मोरबे डॅम सौ प्रतिशत भर गई है । नई मुंबई मुंबईकरो की पानी को लेकर प्रश्न पर अब पूरी तरह से विराम लग गया है । मुंबई में भगवान गणेश के चरण पड़ते ही मेगराज जमकर बरसे

जिससे चलते नई मुंबई मुंबई के प्रथम महापौर संजीव नाईक है । पूर्व महापौर सागर नाईक, सुधाकर सोनावणे, नगरसेवक शुभांगी पाटील, उषा भोईर उपस्थित नई मुंबईकरों से महापौर संजीव नाईक ने पानी को जरूरत के हिसाब से खर्च करने का आहवान किया है ।

दैनिक रोकठोक लेखनी
खबरें बे-रोकटोक
मुंबई : सोमवार 25 सितंबर 2023

राज्य में तूफानी मौसम, लेकिन महाराष्ट्र का ज्यादातर हिस्सा रडार की 'रेंज' से बाहर; क्योंकि...

पुणे: जहां पूरे राज्य में मानसून का मौसम शुरू हो गया है, वहीं महाराष्ट्र का अधिकांश हिस्सा रडार 'रेंज' से बाहर है। मुंबई और सोलापुर के राडार फिलहाल बंद हैं, जिससे मौसम विज्ञानियों के लिए कोंकण, मध्य महाराष्ट्र और मराठवाड़ा के लिए सटीक भारी बारिश की चेतावनी जारी करना मुश्किल हो गया है। शनिवार तड़के नागपुर में बादल फटने जैसी बारिश के बाद दिन के दौरान विदर्भ, मराठवाड़ा और मध्य महाराष्ट्र में कई स्थानों पर तूफानी हवाओं के साथ भारी बारिश हुई। आँधी-तूफान और भारी बारिश का कारण बनने वाले बादलों के बारे में सटीक जानकारी प्राप्त करने के लिए डॉपलर रडार बहुत उपयोगी है। हालाँकि, मुंबई रडार बंद होने, कोंकण और उत्तर मध्य महाराष्ट्र के कई जिलों और सोलापुर रडार बंद होने के कारण, दक्षिण मध्य महाराष्ट्र और मराठवाड़ा के कई जिलों में बादलों की सटीक स्थिति को समझना फिलहाल संभव नहीं है।

मौसम विज्ञानी डॉ. विनीत कुमार सिंह ने कहा, 'डॉपलर रडार विभिन्न प्रकार की जानकारी प्रदान करता है जैसे कि बादलों की ऊंचाई, उनमें पानी की मात्रा, सटीक स्थान और

बादलों की गति, जिससे कुछ समय पहले ही अनुमान लगाया जा सकता है कि किस दिन कितनी देर तक और कितनी बारिश हो सकती है। शहर का हिस्सा. डॉप्लर रडार आपदा प्रबंधन के लिए बहुत उपयोगी हैं। हालाँकि, चूँकि मुंबई और सोलापुर रडार फिलहाल उपलब्ध नहीं हैं, इसलिए सटीक अनुमान देना संभव नहीं है।'

नागपुर में शनिवार तड़के हुई भारी बारिश से कई घरों में भारी आर्थिक नुकसान हुआ. हालाँकि, भारत मौसम विज्ञान विभाग (IMD) ने नागपुर के रडार पर ऊंचे बादलों के निर्माण को दिखाने के बावजूद भारी बारिश की कोई चेतावनी जारी नहीं की है। इससे पहले 25 सितंबर 2019 को पुणे में बादल फटने से कई लोगों की जान चली गई थी. आईएमडी ने घोषणा की थी कि प्रमुख शहरों के लिए रडार की मदद से निगरानी के बाद अगले कुछ घंटों के लिए चेतावनी जारी की जाएगी। हालाँकि, हकीकत में यह घोषणा केवल कागजों पर ही रह जाती है क्योंकि बरसात के मौसम में राडार बंद हो जाता है।

यद्यपि रडार बंद है, हम उपलब्ध प्रणालियों के साथ सटीक पूवार्नुमान प्रदान कर रहे हैं। मुझे यह भी आश्चर्य है कि राडार पर इतना अधिक खर्च क्यों किया जाता है। मुंबई का राडार कुछ हिस्सों की खराबी के कारण 9 सितंबर से सेवा से बाहर है। पुणे में 'आईआईटीएम' द्वारा सोलापुर में स्थापित रडार 19 अगस्त से काम नहीं कर रहा है। 'आईएमडी' के सूत्रों ने बताया कि मुंबई के राडार के हिस्से तुरंत उपलब्ध होने की संभावना कम है और चालू सीजन के दौरान राडार के सक्रिय होने की संभावना भी कम है.

नवी मुंबई के कोपरखैरने इलाके मे एक बैग में चार से पांच दिन कि बच्ची मिलने से मचा हड़कंप। बैग राखनेवाला शक्स CCTV में कैद

मिली जानकारी के अनुसार 22 सितंबर को शाम करीब 4:15 बजे, एक अज्ञात युवक घनसोली सेक्टर 3 के लक्ष्मी अस्पताल के पास और वन लाइट फिटनेस के बगल कि जगह पर एक कोई अज्ञात एक बैग छोड़कर चला गया था जिसके बाद वहा से गुजर रहे लोगो को बच्चे के रोने की आवाज सुनाई देने पर वहा पर पड़े बैग में देखा जिसमे एक चार से पांच दिन कि बच्ची दिखाई दी। जिसके बाद पुलिस को सूचना दी गई पुलिस को सूचना मिलते ही तत्काल पुलिस ने मौके पर आकर मोएना करके बच्ची को हिरासत में लिया और अस्पताल में भर्ती कराया। मेडिकल जांच के बाद बच्चे को बाहर निकाला गया। बच्चे को बाहर निकालने के बाद विश्व बालक केंद्र नेरुल में रखा गया है। जिसके बाद इस मामले में कोपरखैरणे पुलिस स्टेशन में अज्ञात व्यक्ति के खिलाफ मामला दर्ज किया गया है और पुलिस आगे की जांच कर रही है।

नागपुर में बारिश: राहत कार्य शुरू, घरों से साफ की जा रही गाद, भोजन पैकेट वितरण जारी

नागपुर: अधिकारियों ने यहां बताया कि एक दिन पहले अत्यधिक भारी बारिश के कारण अधिकांश हिस्सों में बाढ़ आने के बाद नागपुर में रविवार को राहत कार्य पूरे जोरों पर शुरू हो गया, जिससे कम से कम 10,000 घरों में पानी घुस गया। इससे पहले दिन में, महाराष्ट्र के उपमुख्यमंत्री देवेंद्र फड़नवीस ने कहा कि शहर में तीन घंटों में 109 मिलीमीटर बारिश हुई, जिसमें शनिवार को सुबह 2 बजे से 4 बजे के बीच 90 मिलीमीटर बारिश भी शामिल है। शहर की सबसे बड़ी जलराशि अंबाझारी झील और नाग नदी ने अपनी सीमाएं तोड़ दीं, जिससे शनिवार को पूरे दिन भयंकर बाढ़ आई। नागपुर नगर आयुक्त अभिजीत चौधरी ने पीटीआई-भाषा को बताया कि बाढ़ का पानी कम होने के बाद नागरिक प्रशासन ने घरों और इलाकों में गाद की सफाई शुरू कर दी है। चौधरी ने बताया कि एनएमसी ने अब तक 11,000 भोजन पैकेट वितरित किए हैं क्योंकि कई प्रभावित घरों में रसोई काम नहीं कर रही हैं।

उन्होंने कहा, ''फॉगिंग और छिड़काव गतिविधियां जल्द ही शुरू होंगी ताकि मलेरिया, डेंगू जैसी पानी और मच्छर जनित बीमारियों को रोका जा सके। पानी की सफाई के लिए क्लोरीन तरल भी वितरित किया जाएगा।'' उन्होंने कहा कि नागरिक प्रशासन को उन इलेक्ट्रॉनिक और अन्य घरेलू सामानों को साफ करने पर भी ध्यान देना होगा जिन्हें लोग पानी के कारण बेकार हो जाने के बाद फेंक रहे हैं।नगर निकाय प्रमुख ने कहा, ''जिला कलेक्टरेट के समन्वय से बाढ़ से हुए नुकसान का पंचनामा आज से शुरू होगा। तदनुसार, मुआवजा और अन्य लाभ प्रभावित व्यक्तियों को हस्तांतरित किए जाएंगे।'' उन्होंने कहा कि बाढ़ के बाद के मलबे और बंद नालों (प्रमुख नालों) को साफ करने के लिए विभिन्न क्षेत्रों से मशीनरी बुलाई गई है। चौधरी ने कहा कि शहर के कई हिस्सों में बिजली कटौती हुई लेकिन अधिकांश इलाकों में आपूर्ति बहाल कर दी गई है

कोविड के दौरान भ्रष्टाचार करने वाले नेताओं को उचित सजा मिले यहीं गणराया के चरणों में प्रार्थना : किरीट सोमैया

मुस्तकीम खान

भिवंडी : महाराष्ट्र से भ्रष्टाचार से भरी सरकार जा चुकी है ।अब हम महाराष्ट्र को फिर से नंबर एक पर ले जाना चाहते हैं । मुंबई महामुंबई में कोविड काल के दौरान एक के बाद एक नई विकास गतिविधियां शुरू करने की बात कर उस समय के सत्ताधारी पार्टी के नेताओं ने कोविड को कमाई का जरिया समझकर भ्रष्टाचार का तांडव मचाया था, इसलिए इन सभी घोटालेबाज नेताओं को उचित सजा मिलनी चाहिए ऐसी प्रार्थना गणराया के चरणों में करने की जानकारी भाजपा नेता व पूर्व सांसद किरीट सोमैया ने पत्रकारों को दी ।

भाजपा नेता व पूर्व सांसद किरीट सोमैया भिवंडी शहर में धामनकर नाका मित्र मंडल के सार्वजनिक गणेशोत्सव दर्शन के लिए भिवंडी आए थे जहां उनके शुभ हाथों से श्री भैरव नेत्र चिकित्सालय के सहयोग से आयोजित नेत्र उपचार शिविर का उद्घाटन किया गया , तथा जरूरतमंद मरीजों को उनके द्वारा निःशुल्क चश्में वितरित किये गये। इस कार्यक्रम की शुरूआत में किरीट सोमैया को संस्था के अध्यक्ष संतोष शेट्टी ने सत्कार कर सम्मानित किया । नेत्र उपचार शिविर में 360 मरीजों की जांच की गई और 165 मरीजों को मुफ्त चश्मे वितरित किए गए । शिविर में पाए गए 20 मोतियाबिंद मरीजों को सर्जरी की जरूरत है जिस के लिए नेत्र चिकित्सा शिविर के आयोजक दिलीप पोद्दार ने बताया कि उनकी सर्जरी संस्था के माध्यम से निःशुल्क की जायेगी ।

ठाणे में एमएनएस नेता की हत्या के सिलसिले में एक गिरफ्तार

ठाणे: एक अधिकारी ने कहा कि महाराष्ट्र के ठाणे शहर में पुलिस ने तीन साल पहले महाराष्ट्र नवनिर्माण सेना (एमएनएस) नेता की हत्या के मामले में रविवार को एक और आरोपी को गिरफ्तार किया। पुलिस उपायुक्त (अपराध) शिवराज पाटिल ने कहा कि पुलिस ने हबीब अजमैन शेख (36) को गिरफ्तार कर लिया है, जो पार्टी के राबोडी वार्ड के अध्यक्ष एमएनएस नेता जमील शेख की गोली मारकर हत्या करने के आरोप में वांछित था। उन्होंने

कहा कि पुलिस ने पहले नवंबर 2020 में हुई गोलीबारी में शामिल होने के लिए शाइद शेख और इरफान सोनू को गिरफ्तार किया था। 23 नवंबर, 2020 को, मनसे नेता रबोडी में अपने दोपहिया वाहन पर सवार थे, जब निशानेबाजों ने उनका पीछा किया और उन पर गोलियां चला दीं, जिससे दिनदहाड़े उनकी मौत हो गई।

अधिकारी ने कहा, उस समय धारा 302 (हत्या) और भारतीय दंड संहिता (आईपीसी) के अन्य प्रासंगिक प्रावधानों के तहत अपराध दर्ज किया गया था। उन्होंने कहा कि अपराध शाखा को पुख्ता सबूत मिले थे और हबीब की संलिप्तता सामने आई और उसे गिरफ्तार कर लिया गया। उन्होंने बताया कि एक अन्य आरोपी अभी भी फरार है।

मालिक , मुद्रक,प्रकाशक ,संपादक फैसल शेख ने सोमानी प्रिंटिंग प्रेस , गाला नं 3 - 4 ,अमीन इंडस्ट्रियल इस्टेट ,सोनावला क्रॉस रोड नं 12 ,गोरगांव (पूर्व),मुंबई 63 से छपवाकर रूम नं 15 रमजान बिन 17 सी वंजावडी, माहिम वेस्ट मुंबई :4000 16 से प्रकाशित किया। संपर्क कार्यालय : 1 -ए, ग्राउंड फ्लोर साहिल मेंशन, बालमिया लेन, माहिम वेस्ट मुंबई 400016 मोबाइल नं 9987 77 5650 व्हाट्सप्प नं 7977 40 8589 : Email - editor@rokthoklekhaninews.com .